वाहनों की खुदरा बिक्री ने बनाया रिकॉर्ड

पहली बार कुल बिक्री में ईवी का योगदान 11 प्रतिशत

दुपहिया की बिक्री 7.54 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली, 08 जून. देश में वाहनों की मांग में पिछले साल सितंबर से जारी तेजी अब भी बनी हुई है और वाहनों की खुदरा बिक्री ने मई महीने के पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिये. वाहन डीलरों से शीर्ष संगठन (फाडा) द्वारा वाहनों के पंजीकरण के आधार पर सोमवार को जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि इस साल यात्री वाहनों, तिपहिया, ट्रैक्टरों और कुल बिक्री का मई का नया रिकॉर्ड बना है.

वाहनों की कुल बिक्री 25,31,067 इकाई दर्ज की गयी जो पिछले साल मई के मुकाबले 9.55 प्रतिशत अधिक है, हालांकि इस साल अप्रैल (27.14 लाख) की तुलना में यह 6.75 प्रतिशत कम है. एक और खास बात यह रही कि पहली बार कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का योगदान 11 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गया है. मई में यात्री वाहनों की बिक्री, जिसमें कारें, उपयोगी वाहन और वैन शामिल हैं, सालाना 23.25 प्रतिशत बढ़कर 4,02,591 इकाई रही. तिपहिया की बिक्री 3.56 फीसदी की वृद्धि के साथ 1,11,526 इकाई पर और ट्रैक्टरों की 11.17 फीसदी बढ़कर 83,092 इकाई पर रही. दुपहिया की बिक्री 7.54 प्रतिशत बढ़ी और मई में 18,44,947 इकाई हो गयी. वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 5.29 फीसदी बढ़ी और 83,823 इकाई दर्ज की गयी. इसमें 7.66 प्रतिशत की वृद्धि के साथ हल्के वाणिज्यिक वाहनों का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा.

> फाडा के अध्यक्ष सी.एम. विग्नेश्वर ने इन आंकड़ों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया संकट के बावजूद मई में वाहनों की बिक्री अच्छी बनी रही. दुपहिया वाहनों में शहरी इलाकों में बिक्री 11.75 प्रतिशत बढ़ी है जबकि ग्रामीण इलाकों में 4.74 प्रतिशत की वृद्धि हुई. खास बात यह है दुपहिया में ईवी की हिस्सेदारी 9.25 प्रतिशत बढ़ी है. यह एक साल पहले 6.11 प्रतिशत पर थी. वहीं, यात्री वाहनों की बिक्री ग्रामीण इलाकों में ज्यादा तेजी से बढ़ी.

कोटक लाइफ ने 1,398 करोड़ रुपये बोनस की घोषणा की

मुंबई, 08 जून. जीवन बीमा के क्षेत्र में काम करने वाली कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी सोमवार को अपने 7.7 लाख पॉलिसीधारकों के लिए 1,398 करोड़ रुपये के बोनस की घोषणा की. कोटक महिंद्रा बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी द्वारा दिया जाने वाला यह बोनस पिछले वर्ष की तुलना में 18.7 प्रतिशत अधिक है. कंपनी लगातार 25वें साल बोनस का भुगतान कर रही है. कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2025ङ्क26 के लिए व्यक्तिगत दावों में 99.50 प्रतिशत तथा समूह दावों में 99.80 प्रतिशत का दावा निपटान अनुपात होने की भी घोषणा की है. उसने बताया कि वित्त वर्ष के दौरान कोटक लाइफ ने व्यक्तिगत और समूह दोनों श्रेणियों को मिलाकर कुल 1,52,860 दावों का निपटान किया.

कम होगा विमान सेवा कंपनियों का मुनाफा

शुद्ध लाभ 23 अरब डॉलर रहने का अनुमान है

2025 के 76.4 अरब डॉलर से कम होकर 48 अरब डॉलर

रियो डी जेनेरियो, 07 जून. पश्चिम एशिया संकट और विमान ईंधन की ऊंची कीमतों के कारण इस साल विमान सेवा कंपनियों का मुनाफा घटकर आधा रह सकता है. अंतर्राष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आयटा) की रविवार को जारी एक पूर्वानुमान में यह बात कही गयी है.

वैश्विक एयरलाइन उद्योग के लिए अपने नवीनतम वित्तीय पूर्वानुमान में आयटा ने कहा है कि पश्चिम एशिया में युद्ध से उत्पन्न व्यवधानों और ईंधन की ऊंची कीमतों के कारण विमान सेवा कंपनियों की लाभ कमाने की क्षमता लगभग आधी रह जायेगी. आयटा ने कहा है कि विभिन्न क्षेत्रों की स्थिति काफी अलग-अलग है. पश्चिम एशिया युद्ध के केंद्र में स्थित एयरलाइंस के लिए कमजोर मांग और परिचालन बाधाओं के कारण सामूहिक रूप से घाटे में जाने की संभावना है. इसके विपरीत, अन्य सभी क्षेत्रों के लाभ में रहने की उम्मीद है, लेकिन पहले के अनुमानों की तुलना में उनका मुनाफा भी कम होगा. पूर्वानुमान में बताया गया है कि साल 2026 में दुनिया भर की विमान सेवा कंपनियों का कुल शुद्ध लाभ 23 अरब डॉलर रहने का अनुमान है, जो पहले अनुमानित 41 अरब डॉलर का लगभग आधा है. यह 2025 के अनुमानित 45 अरब डॉलर के शुद्ध लाभ का भी लगभग आधा है.

> साल 2025 में अनुमानित लाभ मार्जिन 4.2 प्रतिशत रहा था. प्रति यात्री शुद्ध लाभ 4.50 डॉलर रहने का अनुमान है, जबकि 2025 में यह 9.10 डॉलर था. परिचालन लाभ साल 2025 के 76.4 अरब डॉलर से कम होकर 48 अरब डॉलर रहने की संभावना है. निवेश की गयी पूंजी पर प्रतिफल 4.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है जो साल 2025 के 6.6 प्रतिशत से काफी कम है. आयटा का अनुमान है कि उद्योग का कुल राजस्व इस साल 1,165 अरब डॉलर तक पहुँचने की उम्मीद है, जो 2025 के 1,065 अरब डॉलर से 9.4 प्रतिशत अधिक है. भरी सीटों का अनुपात 84 प्रतिशत के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच सकता है, जबकि 2025 में यह 83.5 प्रतिशत था.

सेंसेक्स 800 अंक टूटा

नई दिल्ली, 08 जून. पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच सोमवार को भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत तेज गिरावट के साथ हुई. शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में करीब 1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई.

सेंसेक्स 800 अंकों से अधिक यानी 1.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73,421.61 पर खुला, जबकि निफ्टी 286 अंक यानी 1.22 प्रतिशत टूटकर 23,080.70 पर पहुंच गया. सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो रियल्टी, मेटल, ऑटो और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली देखने को मिली. रियल्टी इंडेक्स करीब 2 प्रतिशत टूटा, जबकि मेटल, ऑटो और आईटी इंडेक्स में 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई.

निफ्टी के प्रमुख कमजोर शेयरों में विप्रो, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, बजाज फाइनेंस और श्रीराम फाइनेंस शामिल रहे. गिरावट केवल बड़ी कंपनियों तक सीमित नहीं रही. व्यापक बाजार में भी दबाव देखने को मिला. निफ्टी मिडकैप 100, मिडकैप 150 और स्मॉलकैप इंडेक्स करीब 1 प्रतिशत तक फिसल गए. इस बीच बाजार में अस्थिरता भी बढ़ गई.

कच्चे तेल की कीमतों में भी रही तेजी

इंडिया वीआईएक्स (वोलैटिलिटी इंडेक्स) लगभग 15 प्रतिशत उछलकर 18 के आसपास पहुंच गया. निफ्टी के लिए 23,100-23,000 का स्तर तत्काल समर्थन क्षेत्र है, जबकि 23,500-23,700 का दायरा प्रमुख प्रतिरोध बना हुआ है. कच्चे तेल की कीमतों में भी तेजी देखी गई. अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 4 प्रतिशत बढ़कर 96.90 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 4.64 प्रतिशत की बढ़त के साथ 94.75 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा. एशियाई बाजारों में भी कमजोरी का माहौल रहा. जापान का निक्केई करीब 4 प्रतिशत गिर गया, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 5 प्रतिशत तक टूट गया और हांगकांग का हैंग सेंग लगभग 1 प्रतिशत नीचे कारोबार करता दिखा.

सोना 2,000 और चांदी 6,500 रुपये लुढ़की

> अगर जून महीने की शुरुआत से अब तक के प्रदर्शन पर नजर डालें तो चांदी में करीब 24,000 रुपए प्रति किलोग्राम की गिरावट आ चुकी है. महीने की शुरुआत में इसका भाव 2,66,163 रुपए प्रति किलोग्राम के आसपास था, जो अब काफी नीचे आ चुका है. इससे स्पष्ट है कि जून का महीना अब तक चांदी के लिए दबाव भरा रहा है. चांदी अपने सर्वकालिक उच्च स्तर से भी काफी नीचे कारोबार कर रही है.

नई दिल्ली, 08 जून. हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू कमोडिटी बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई. शेयर बाजार में कमजोरी के बीच कीमती धातुओं में भी तेज बिकवाली देखने को मिली. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोमवार को सोना और चांदी, दोनों के भाव में बड़ी गिरावट दर्ज की गई. खासतौर पर चांदी की कीमतों में आई तेज गिरावट ने निवेशकों का ध्यान खींचा, क्योंकि इसका भाव ढाई लाख रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर से नीचे पहुंच गया.

एमसीएक्स पर चांदी का वायदा भाव सोमवार को कारोबार शुरू होते ही तेज गिरावट के साथ 2,41,990 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया. पिछले कारोबारी सत्र में यह 2,48,537 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी, यानी एक ही दिन में चांदी की कीमत में 6,500 रुपए से अधिक की गिरावट दर्ज की गई.

आज एमसीएक्स सिल्वर जुलाई वायदा 2,51,001 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुला और यही दिन का उच्च स्तर रहा, वहीं दिन के कारोबार में गिरकर 2,39,064 रुपए का दिन का निम्नतम स्तर छुआ. हालांकि खबर लिखे जाने तक यह चांदी 6,512 रुपए यानी 2.62 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,42,025 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती हुई नजर आई.

वीकेंड में कमाएं हर माह 25,000 रुपए

नई दिल्ली, 8 जून. महंगाई और बढ़ते घरेलू खर्चों के बीच केवल एक सैलरी पर निर्भर रहना कई लोगों के लिए चुनौती बनता जा रहा है. ऐसे में नौकरी के साथ अतिरिक्त आय के स्रोत तलाशने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है. डिजिटल प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन अवसरों ने अब यह संभव बना दिया है कि लोग अपनी नियमित नौकरी छोड़े बिना सप्ताहांत में कुछ घंटे काम करके हर महीने अच्छी अतिरिक्त कमाई कर सकें. वीकेंड का सही उपयोग कर कई तरह के पार्ट-टाइम कार्य शुरू किए जा सकते हैं. इनमें फेसलेस वीडियो कंटेंट बनाना, फ्रीलांसिंग, ऑनलाइन ट्यूशन, सोशल मीडिया मैनेजमेंट और डेटा एंट्री जैसे विकल्प प्रमुख हैं. बिना चेहरा दिखाए वीडियो या रील्स बनाना आज तेजी से लोकप्रिय हो रहा है.

एआई+ स्मार्टफोन नोवा 2 नियो और नोवा 2 प्रो का ओपन ट्रायल

नवभारत, जबलपुर। भारतीय स्मार्टफोन उद्योग में पहली बार एआई+ स्मार्टफोन ने आगामी नोवा 2 नियो और नोवा 2 प्रो को बिक्री से पहले देश के रिव्यूअर्स, कंटेंट क्रिएटर्स, पत्रकारों व टेक समुदाय को ओपन ट्रायल के लिए देने की घोषणा की है। कंपनी सीईओ व नेक्स्टक्वांटम शिफ्ट टेक्नोलॉजीस के संस्थापक माधव सेठ के अनुसार, बिना किसी रोक-टोक, गाइडलाइन या नियंत्रित किट के समीक्षक इनके हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, कामना व बैटरी लाइफ को परख सकते हैं। निष्पक्ष राय के लिए सात दिन का समय मिलने तक उपभोक्ताओं का पैसा सुरक्षित रखने के लिए ये फोन बिकेंगे नहीं और समीक्षाएं ब्रांड वेबसाइट पर रियल-टाइम दिखेंगी।

नेक्स्ट क्वांटम ओएस से संचालन- ये स्मार्टफोन नोवा 2 अल्ट्रा के नीचे पोर्टफोलियो का हिस्सा हैं, जिनका उद्देश्य तकनीक सुलभ, पारदर्शी व भरोसेमंद बनाना है। एआई+ स्मार्टफोन भारत में निर्मित अगली पीढ़ी का ब्रांड है, जो विश्वसनीय, उच्च-प्रदर्शन मोबाइल अनुभव देता है। यह भारत के पहले संप्रभु ऑपरेटिंग सिस्टम 'नेक्स्टक्वांटम ओएस' पर चलता है। माधव सेठ द्वारा स्थापित नेक्स्टक्वांटम शिफ्ट सुरक्षित डिजिटल प्लेटफॉर्म निर्माता डीप-टेक भारतीय कंपनी है। भारत में निर्मित और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी तकनीक के लिए प्रतिबद्ध यह कंपनी स्मार्टफोन को पुनः परिभाषित कर रही है।

रिलायंस इंफ्रा ने एआई कारोबार में रखा कदम

मुंबई, 08 जून. बुनियादी ढांचा क्षेत्र की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) कारोबार के क्षेत्र में कदम रखते हुए तीन नयी सहायक कंपनियां बनाने की सोमवार को घोषणा की.

ये कंपनियां रिलायंस एआई वर्ल्ड प्राइवेट लिमिटेड, रिलायंस एआई एपेक्स प्राइवेट लिमिटेड और रिलायंस एआई वन प्राइवेट लिमिटेड के नाम से बनायी गयी हैं. इस घोषणा के बाद रिलायंस इंफ्रा के शेयर पांच प्रतिशत (4.10 रुपये) चढ़कर 86.17 रुपये पर पहुंच गये.

रिलायंस इंफ्रा ने शेयर बाजारों को बताया है कि तेजी से बढ़ते एआई और नए जमाने की प्रौद्योगिकियों का हिस्सा बनने के लिए उसने अपनी नयी सहायक कंपनियों के जरिये अपने कारोबार में एआई और संबंधित प्रौद्योगिकी आधारित गतिविधियों को शामिल करने के लिए कदम उठाये हैं.

59% डीलर्स को आने वाले तीन महीनों में अपनी बिक्री बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली, 08 जून. भारतीय ऑटोमोबाइल डीलरों का भरोसा आगामी तिमाही के लिए मजबूत हुआ है. जून, जुलाई और अगस्त 2026 के दौरान 59.07 प्रतिशत डीलरों को कारोबार में वृद्धि की उम्मीद है. पिछली सर्वेक्षण अवधि की तुलना में डीलरों का विश्वास बढ़ा है, जिससे उद्योग का निकट भविष्य का दृष्टिकोण सतर्क आशावाद से भरा दिखाई देता है. जून महीने के लिए 50.52 प्रतिशत डीलरों ने बिक्री बढ़ने की उम्मीद जताई है.

स्पाइसजेट लेगी तीन ए320 विमान

नई दिल्ली, 08 जून. पीक सीजन में अपनी परिचालन क्षमता बढ़ाने के लिए निजी विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट ने डैम्प लीज पर तीन ए320 विमानों को अपने बेड़े में शामिल करने की घोषणा की है. एयरलाइंस ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इन तीनों विमानों के लिए लीज समझौते को अंतिम रूप दे दिया गया है. ये जुलाई में एयरलाइन के बेड़े में शामिल होने वाले हैं.

डैम्प लीज के तहत विमान पट्टे पर देने वाली कंपनी ही पायलट भी देती है, जबकि केबिन क्रू परिचालन करने वाली एयरलाइंस का होता है. विमान के रखरखाव, बीमा आदि की जिम्मेदारी भी विमान देने वाली कंपनी की ही होती है.

स्पाइटजेट ने इसके अलावा हाल ही में एक बोइंग 737 मैक्स विमान को भी सफलतापूर्वक फिर से सेवा में शामिल कर लिया है. यह अतिरिक्त क्षमता व्यस्त यात्रा सीजन के दौरान एयरलाइंस की नेटवर्क आवश्यकताओं को पूरा करने में मददगार होगी और घरेलू तथा

समाचार विशेष

थलापति विजय के खिलाफ खामोश बिसात

चेन्नई. तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के अध्यक्ष थलापति विजय की राजनीतिक करियर को लेकर चौंकाने वाली खबर आ रही है. कई मीडिया में दावा किया जा रहा है कि विजय से अलग रह रहीं उनकी पत्नी

पर्दे के पीछे तैयार हो रहा बड़ा चेहरा कौन?

संगीता सोर्नालिंगम जल्द ही राजनीति में एंट्री कर सकती हैं. चर्चा है इस बात की है कि वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ज्वाइन कर सकती हैं. क्या है इस दावे की पूरी सच्चाई?

तमिलनाडु की सियासत रोजाना एक नया मोड़ ले रहा है. पहले सुपरस्टार थलापति विजय की पॉलिटिक्स में इंट्री फिर उनका मुख्यमंत्री बनना. हालांकि, अभी राजनीति गलियारों और मीडिया में जो खबरें चल रही हैं, उससे विजय की कुर्सी डगमगा सकती है. मीडिया और राजनीतिक हलकों में यह जोरदार चर्चा शुरू हो गई है कि विजय की पत्नी संगीता सोर्नालिंगम जल्द ही सक्रिय राजनीति में कदम रख सकती हैं और वह भी विजय की विरोधी पार्टी के झंडे तले.

कहा जा रहा है कि संगीता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो सकती हैं. उनको भाजपा में शामिल कराने के लिए पर्दे के पीछे बड़ी तैयारी चल रही है. अगर इन खबरों में थोड़ी भी सच्चाई है, तो यह तमिलनाडु की राजनीति में विजय के लिए एक बहुत बड़ा व्यक्तिगत और राजनीतिक झटका हो सकता है. विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भाजपा के शीर्ष नेता संगीता सोर्नालिंगम को पार्टी में शामिल करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं. चेन्नई के सियासी गलियारों में यह भी सुगबुगाहट है कि एक जानी-मानी अभिनेत्री, जो वर्तमान में भाजपा की वरिष्ठ नेता हैं,

कहां से शुरू हुई इस दावे की पटकथा?

संगीता सोर्नालिंगम के इस नए राजनीतिक सफर की चर्चा ग्रेट आंध्र की एक रिपोर्ट के बाद शुरू हुई. इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद से ही सोशल मीडिया और न्यूज चैनलों पर इस बात की बहस छिड़ गई है कि क्या संगीता अपने पति विजय के खिलाफ एक मजबूत राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बनकर उभरेंगी. अगर संगीता के बैकग्राउंड की बात करें, तो वह एक श्रीलंकाई तमिल उद्योगपति परिवार से ताल्लुक रखती हैं, जो बाद में लंदन में बस गया था. संगीता पहली बार विजय से एक फैन (प्रशंसक) के रूप में मिली थीं, जिसके बाद दोनों में प्यार हुआ और साल 1999 में उन्होंने शादी कर ली.

चुनाव से पहले भाजपा का 'मिशन पंजाब'

रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा- इस बार खिलेगा कमल

चंडीगढ़. गत बुधवार को भारतीय जनता पार्टी पंजाब के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष सरदार केवल सिंह ढिल्लों ने चंडीगढ़ स्थित भाजपा प्रदेश मुख्यालय में अपना कार्यभार ग्रहण किया. इस दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने कार्यक्रम में भाग लिया. कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू का हवाई अड्डे पर जोरदार स्वागत हुआ. इस दौरान रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि पंजाब में 'डबल इंजन वाली सरकार' बनाने की तैयारी है.

विधानसभा चुनाव की तैयारी

केवल सिंह ढिल्लों के भाजपा पंजाब अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने पर केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि आज भाजपा और पंजाब के लिए बहुत खुशी का दिन है. प्रदेश अध्यक्ष के रूप में सुनील जाखड़ का कार्यकाल पूरा हो चुका है इसलिए अब मालवा क्षेत्र से आने वाले सरदार केवल सिंह ढिल्लों को भाजपा के मिशन पंजाब की जिम्मेदारी दी गई है. पंजाब की वर्तमान सरकार ने मालवा क्षेत्र के लिए कोई काम नहीं किया है. केंद्रीय राज्य मंत्री ने आगे कहा कि पंजाब में विधानसभा चुनाव में अब बस चार महीने बचे हैं. ऐसे में केवल सिंह ढिल्लों और हमने विधानसभा जाने की पूरी तैयारी कर ली है. इस बार पंजाब में डबल इंजन की सरकार लाएंगे और जनता को खुशहाल करेंगे. मेरा मन है कि पंजाब विधानसभा में आकर यहां के लिए काम करें.

शुरू हुई पंचायत चुनावों की तैयारी

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा लागू रहेगी

मुंबई. महाराष्ट्र में ग्रामीण लोकतंत्र का सबसे बड़ा महासंग्राम शुरू होने जा रहा है. राज्य की 14,237 ग्रामपंचायतों के चुनावों की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो गई है और इस बार सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा सख्ती से लागू की जाएगी.

इसके तहत जनवरी से दिसंबर 2026 के बीच कार्यकाल समाप्त होने वाली तथा नवगठित ग्रामपंचायतों को मिलाकर कुल 14,237 ग्रामपंचायतों में सार्वत्रिक चुनाव होने हैं. विभागवार देखें तो छत्रपती संभाजीनगर विभाग में सर्वाधिक 4134, पुणे में 2870, नाशिक में 2476, अमरावती में 2451, नागपूर में 1508 और कोकण विभाग में 798 ग्रामपंचायतों के चुनाव होंगे.

> राज्य निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जहां भी कुल आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक हो रहा है, वहां ओबीसी की सीटों में जरूरी कटौती की जाए. इस नई व्यवस्था के कारण फरवरी 2026 में घोषित और 4 मई को अंतिम रूप दिए जाने वाले प्रभाग रचना के कार्यक्रम को रद्द कर पूरी प्रक्रिया नए सिरे से शुरू करनी पड़ी. ओबीसी आरक्षण को 27 प्रतिशत के भीतर रखने के लिए सदस्य संख्या के अनुसार सीटें तय की गई हैं. 7 सदस्यीय ग्रामपंचायत में केवल 1 सीट, 9 और 11 सदस्यीय में 2 सीटें, 13 सदस्यीय में 3 सीटें और 17 सदस्यीय ग्रामपंचायत में 4 सीटें ओबीसी के लिए आरक्षित रहेंगी.

विशेष | **अब सांसदों पर बागी एमएलए गुट की नजर, दीदी के लाडले की बढ़ीं मुश्किलें!**

ममता से बैर नहीं, अभिषेक की खैर नहीं

कोलकाता. पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी में चल रहे अंदरूनी कलह की आंच अब राष्ट्रीय स्तर पर भी दिखने लगी है. बुधवार को पार्टी को अपने 28 साल के इतिहास में सबसे बड़ी फूट का सामना करना पड़ा. पार्टी से निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी ने 58 विधायकों के साथ विधानसभा में विधायक दल पर कब्जा जमा लिया. बागी विधायकों ने ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में अपना नेता चुन लिया. विधानसभा अध्यक्ष ने भी इसकी मान्यता दे दी.

विधानसभा के बाद अब संसदीय दल में भी टूट की संभावना बढ़ा गई है. इस घटना के बाद बागी नेताओं ने स्पष्ट कहा है कि उनकी लड़ाई ममता बनर्जी से नहीं, बल्कि उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के खिलाफ है.

सूत्रों के मुताबिक बागी गुट विधानसभा में अपनी पकड़ मजबूत करने के बाद टीएमसी सांसदों को अपने पाले में करने की तैयारी हैं. वे लगातार ज्यादा सांसदों का समर्थन जुटाने की कोशिश कर रहे हैं. लोकसभा में वर्तमान में टीएमसी के 29 सांसद हैं. पार्टी की तरफ से अभिषेक बनर्जी को संसदीय दल का नेता बनाया गया है. ऐसे में अगर बड़ी संख्या में टीएमसी सांसद, बागी नेताओं के पाले में आते हैं तो संसदीय नेतृत्व में भी बदलाव होगा और अभिषेक बनर्जी की कुर्सी भी जा सकती है.

अभिषेक के लिए सबसे बड़ी चुनौती

टीएमसी पार्टी के संसदीय दल में टूट होने पर यह ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के लिए सबसे बड़ी चुनौती साबित होगी. इस समय अभिषेक लोकसभा में पार्टी के संसदीय दल के नेता हैं. ऐसे में ज्यादातर सांसदों के बागी गुट के साथ चले जाने पर अभिषेक की राष्ट्रीय राजनीति प्रभावित होगी. साथ ही मुख्य विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक में झख्ष्ट की भूमिका पर प्रश्नचिंह लग सकता है. हालांकि, अब देखना यह है कि ये बागी गुट विधानसभा के जैसे संसद में भी अपनी सफलता दोहरा पाते हैं या नहीं, लेकिन अगर ऐसा हुआ तो विधानसभा के साथ-साथ संसद और पार्टी के नेतृत्व पर भी ममता बनर्जी के लिए गंभीर चुनौती खड़ी हो जाएगी.